भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 5602
27 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कछार जिले में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का कार्यान्वयन

†5602. श्री परिमल शुक्ला बैद्यः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान असम राज्य में, विशेषकर कछार जिले में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत कितनी प्रगति हुई है और कुल कितनी एबीएचए आईडी बनाई गई हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ी गई हैं;
(ख) क्या सिल्वर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल को स्वास्थ्य सूचना आदान-प्रदान (एचआईई), इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकार्ड (ईएमआर) और टेलीमेडिसिन सेवाओं सहित एबीडीएम डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के साथ पूरी तरह से एकीकृत कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा उक्त मिशन के अंतर्गत कछार जिले के सरकारी अस्पतालों में अस्पताल सूचना प्रणाली की अंतर-प्रचालनीयता और मानकीकरण सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(घ) क्या असम में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों, विशेषकर सिल्वर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल में निदान, धोखाधड़ी का पता लगाने, रोग निगरानी और जनसंख्या स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) असम में एबीडीएम ढांचे के अंतर्गत डाटा की गोपनीयता, पारदर्शिता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग और रोगी की सूचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या सुरक्षा उपाय और विनियामक तंत्र स्थापित किए गए हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): भारत सरकार द्वारा सितंबर, 2021 में एक एकीकृत, नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में सहयोग देने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का शुभारंभ किया गया था। असम में, जिसमें कछार जिला भी शामिल है, पिछले तीन वर्षों में 23 मार्च, 2026 तक की स्थिति के अनुसार सृजित एबीएचए की संख्या, स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (एचएफआर) पर पंजीकृत

स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य वृत्तिक रजिस्ट्री (एचपीआर) पर पंजीकृत स्वास्थ्य पेशेवरों, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सहबद्ध करने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और सहबद्ध डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की प्रगति **अनुलग्नक** में दी गई है।

सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को एबीडीएम के साथ एकीकृत किया गया है और यह एबीडीएम-सक्षम एचएमआईएस (अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली) - एनआईसी ई-अस्पताल का उपयोग करता है। 24 मार्च, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, एबीडीएम के तहत स्वास्थ्य सूचना विनिमय (एचआईई) का उपयोग करके इस सुविधा द्वारा कुल 82,921 स्वास्थ्य रिकॉर्ड जोड़े गए हैं।

एबीडीएम सामान्य स्वास्थ्य डेटा मानक स्थापित करके और व्यक्तियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य पेशेवरों और अन्य आवश्यक घटकों के लिए रजिस्ट्रियां विकसित करके अंतरसंचालनीयता को सक्षम बनाता है। इससे सार्वजनिक और निजी दोनों स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में फैले विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य तंत्रों को स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच डेटा का आदान-प्रदान करने की सुविधा मिलती है, भले ही वे अलग-अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हों। सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के अंतर्गत सूचीबद्ध है। सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सहित विभिन्न सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा एबी पीएम-जेएवाई के तहत किए गए दावों में संभावित दुरुपयोग की पहचान करने के लिए एआई और एमएल-आधारित ट्रिगर्स का उपयोग किया जाता है।

'प्राइवेसी बाय डिज़ाइन' एबीडीएम के प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है, और स्वास्थ्य डेटा का कोई केंद्रीकृत भंडार नहीं है। एबीडीएम रोगी की सहमति के बाद एबीडीएम नेटवर्क पर लक्षित हितधारकों के बीच सुरक्षित डेटा के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, एबीडीएम के साथ एकीकरण से पहले, डिजिटल स्वास्थ्य अनुप्रयोगों को सैंडबॉक्स वातावरण में मान्य किया जाता है और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डब्ल्यूएएसए (वेब एप्लिकेशन सुरक्षा ऑडिट) जैसी सुरक्षा ऑडिट से गुजरना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 17 फरवरी, 2026 को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान 'भारत में स्वास्थ्य सेवा में एआई के लिए रणनीति' (एसएएचआई) और 'स्वास्थ्य एआई के लिए बेंचमार्किंग ओपन डेटा प्लेटफॉर्म' (बीओडीएच) का शुभारंभ किया। एसएएचआई एक राष्ट्रीय मार्गदर्शन ढांचा है जो भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुरक्षित, नैतिक, साक्ष्य-आधारित, जिम्मेदार और समावेशी रूप से अपनाने में सक्षम बनाता है। 'स्वास्थ्य एआई के लिए बेंचमार्किंग ओपन डेटा प्लेटफॉर्म' (बोध) बड़े पैमाने पर तैनाती से पहले एआई समाधानों के परीक्षण और बेंचमार्किंग के लिए एक संरचित तंत्र प्रदान करता है।

******

अनुलग्नक

पिछले तीन वर्षों में कछार ज़िले समेत असम में बनाए गए आभा, एचएफआर पर पंजीकृत स्वास्थ्य सुविधा केंद्र, एचपीआर पर पंजीकृत स्वास्थ्य पेशेवर, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड को लिंक करने वाले स्वास्थ्य सुविधा केंद्र और असम में लिंक किए गए डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड को लिंक करने का विवरण

राज्य/जिला	**संकेतक**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-2026 (23.03.2026 तक)**	**कुल**
असम	बनाए गए आभा की संख्या	63,91,485	18,36,524	35,97,525	1,18,25,534
	पंजीकृत स्वास्थ्य सुविधा केंद्र (एचएफआर)	257	5,615	5,848	11,720
	पंजीकृत स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवर (एचपीआर)	11,782	8,689	4,486	24,957
	डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ने वाले स्वास्थ्य सुविधा केंद्र	79	3,085	4,111	4,695
	लिंक किए गए स्वास्थ्य रिकॉर्ड	1,08,649	6,50,482	20,13,251	27,72,382
कछार जिला (असम)	बनाए गए आभा की संख्या	3,67,236	60,751	1,22,429	5,50,416
	पंजीकृत स्वास्थ्य सुविधा केंद्र (एचएफआर)	14	87	548	649
	पंजीकृत स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवर (एचपीआर)	1,022	172	134	1,328
	डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ने वाले स्वास्थ्य सुविधा केंद्र	5	142	282	292
	लिंक किए गए स्वास्थ्य रिकॉर्ड	12,899	78,532	1,50,831	2,42,262

*****